

झारखंड के नए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद झारखंड मुक्त मोर्चा (JMM) वधायक दल ने परविहन मंत्री चंपई सोरेन को वधायक दल का नेता चुना।

मुख्य बद्दि:

- झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद प्रवर्तन नदिशालय द्वारा हेमंत सोरेन को भूमि घोटाला मामले में गरिफ्तार कर लिया गया।
 - यह इस्तीफा ED के अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री से राँची में उनके आधिकारिक आवास पर सात घंटे से अधिक समय तक पूछताछ करने के बाद आया।
 - झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा इस्तीफा को स्वीकार कर लिया गया।
- झारखंड मुक्त मोर्चा (JMM) के वरिष्ठ नेता और परविहन मंत्री चंपई सोरेन को वधायक दल का नेता चुना गया।
- चंपई सोरेन सरायकेला से पाँच बार वधायक चुने गए। 1990 के दशक में उन्होंने JMM संरक्षक शबू सोरेन के साथ अलग झारखंड राज्य के निर्माण के आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

प्रवर्तन नदिशालय (ED)

- प्रवर्तन नदिशालय (ED) एक बहु-अनुशासनात्मक संगठन है जो मनी लॉन्डरिंग (अवैध धन को वैध करना) के अपराधों और वदिशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन की जाँच करता है।
 - यह वत्ति मंत्रालय के राजस्व वभाग के अधीन कार्य करता है।
- भारत सरकार की एक प्रमुख वत्तीय जाँच एजेंसी के रूप में ED भारत के संवधान और कानूनों के सख्त अनुपालन में कार्य करता है।